आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 78 | उज्जैन, शनिवार 08 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

महिला सशक्तिकरण सैद्धांतिक नहीं, कार्य रूप में परिणित करने का विषय-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सत्य साईं महिला महाविद्यालय में ऑडिटोरियम और लैब के लिए राज्य शासन देगा सहयोग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज विश्व के कई देशों के लिए महिला सशक्तिकरण चर्चा का विषय हो सकता है, लेकिन भारत देश के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण प्राचीन काल से आराधना का विषय भी रहा है। हमारे भारतीय समाज में महिलाओं के लिए आदर कोई सैद्धांतिक विषय नहीं है, महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प कार्य रूप में परिणित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के लिए एक तिहाई जनप्रतिनिधित्व पर जोर दिया है। मध्यप्रदेश सरकार भी शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है। प्रदेश में नए-नए उद्योग आ रहे हैं, इनमें भी महिलाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा है। रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्य करने वाली बहनों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। सत्य साईं महिला महाविद्यालय जैसे उच्च शिक्षण संस्थान बधाई के पात्र हैं, जो नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन कॉउंसिल (नैक) द्वारा ए प्लस ग्रेड प्राप्त है। इस महाविद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होना एक विशेष उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सत्य साईं महाविद्यालय, भेल भोपाल के स्वर्ण जयंती महोत्सव और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाविद्यालय में ऑडिटोरियम निर्माण और आइ.टी. और ए.आइ रिसर्च लैब के लिए राज्य शासन द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बिल में 3 साल तक क्या ढूंढ रहे थे? तमिलनाडु के राज्यपाल पर सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधेयकों की मंजूरी लटकाए रखने पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगता है तमिलनाडु के राज्यपाल ने अपनी ही प्रक्रिया अपना ली है।

कोर्ट ने कहा कि विधेयकों को रोके रखना और विधानमंडल को नहीं भेजना अनुच्छेद-200 के प्रविधानों को विफल करने जैसा है। मामले में कोर्ट शुक्रवार को फिर सुनवाई करेगा।

दो जजों की पीठ कर रही सुनवाई- ये टिप्पणियां और सवाल गुरुवार को जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की राज्यपाल पर विधेयकों को रोके रखने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

कोर्ट ने इस मामले में विचार के लिए कई कानूनी सवाल भी तय किए हैं। पीठ ने राज्यपाल की ओर पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से कहा कि आप हमें तथ्यात्मक रूप से यह दिखाएं कि राज्यपाल ने मंजूरी क्यों रोकी। इसके लिए या तो कुछ मूल फाइलें या कुछ अन्य दस्तावेज दिखाएं जिससे पता चले कि क्या चर्चा की गई। क्या खामियां थीं। आपको बताना होगा कि विधेयकों में ऐसा क्या गलत था।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल पूरा, अब आखिरी सर्टिफिकेट का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल पूरा कर लिया गया है। अब सिर्फ आरडीएसओ, सीआरएस से हरी झंडी मिलने का इंतजार है।

रेलवे बोर्ड ने गुरुवार को कहा कि 15 जनवरी को लंबी दूरी के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली पहली 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को अब चलने के लिए जाने से पहले अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) के सर्टिफिकेट और रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की मंजूरी की जरूरत है।

हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन का सपना अब हकीकत- रेलवे बोर्ड ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ट्रेन का उसकी अधिकतम गति पर मूल्यांकन करेंगे। विश्व स्तरीय, हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन का सपना अब हकीकत बन गया है क्योंकि पहली 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट ने 15 जनवरी को मुंबई-अहमदाबाद सेक्शन में 540 किलोमीटर की दूरी के लिए आरडीएसओ द्वारा कठोर परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

आयकर विभाग के फेसलेस एसेसमेंट में सेंध, सीबीआई के 18 स्थानों पर छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग में भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए शुरू की गई फेसलेस एसेसमेंट योजना में ही सेंधमारी हो गई। आयकर विभाग के अधिकारियों और चार्टर्ड एकाउंटेंट के बीच मिलीभगत से फेसलेस एसेसमेंट के मामलों का डाटा लीक होने और मामले को सुलझाने के लिए आयकर देने वाले से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है।

सीबीआई ने नौ आरोपियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज- आयकर महानिदेशक से मिली शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने नौ आरोपियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है, जिनमें पांच सीए, आयकर विभाग के एक डिप्टी कमीश्नर व दो इंस्पेक्टर सहित नौ लोग शामिल हैं। इस मामले में सीबीआइ दिल्ली, मुंबई, थाने, पश्चिम चंपारण (बिहार), बेंगलुरू, कोट्टायम (केरल) में 18 स्थानों पर छापा मारा है।

ध्यान देने की बात है कि पिछले सालों में केंद्र सरकार ने आयकर विभाग में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए फेसलेस एसेसमेंट की योजना शुरू की थी, जिसमें आयकर देने वाले और उनकी आयकर की गणना करने वाले अधिकारी का नाम गुप्त रखा जाता है।

डाटा लीक कर सीए को देने का आरोप

आयकर देने वाले और उसकी गणना करने वाले अधिकारी के आमने-आमने नहीं आने के कारण रिश्वत देने या मांगने की आशंका नहीं रहती है। लेकिन दिल्ली के झंडेवाला स्थित कार्यालय में तैनात डिप्टी कमीश्नर विजयेंद्र और मुंबई ब्रांच में तैनात दो इंस्पेक्टर दिनेश कुमार वर्मा और विनायक शर्मा पर कुछ करदाताओं का डाटा लीक कर सीए को देने का आरोप है।

पिनाक का दुनिया में बज रहा डंका... 10 हजार करोड़ से ज्यादा के MoU पर हुए दस्तखत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के प्रस्ताव पर रक्षा मंत्रालय ने सोलर इंडस्ट्रीज नागपुर और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड के साथ पिनाक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर हथियार प्रणालियों व उनके गोला-बारूद के लिए 10,200 करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

पिछले सप्ताह सुरक्षा कैबिनेट समिति ने गोला-बारूद खरीदने के भारतीय सेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 13 जनवरी को वार्षिक प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि पिनाक की दो अलग-अलग श्रेणी के हिसाब से दो अनुबंध किए जाने हैं।

निर्यात क्षेत्र में सफल पिनाक- एक अनुबंध 5,700 करोड़ रुपये और दूसरा 4,500 करोड़ रुपये का है। पिनाक पहले से ही निर्यात क्षेत्र में सफल रहा है, क्योंकि इसे आर्मेनिया खरीद चुका है, जबकि फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं।

सीसीएस ने जिस हथियार प्रणाली के लिए मंजूरी दी है, उसके रॉकेट की मारक क्षमता 45 किमी है। यह पाकिस्तान और चीन दोनों ही सीमाओं के लिए प्रभावी है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) पिनाक प्रणाली के लिए 120 किमी तक मारक क्षमता वाले राकेट विकसित करने के अंतिम चरण में है। सेना प्रमुख ने कहा था कि जैसे ही हमें पिनाक रॉकेटों में लंबी रेंज मिलने लगेगी, तो हम अन्य वैकल्पिक लंबी दूरी के हथियारों को छोड़कर इसी सिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

केरल में कैफे के कुकिंग स्टीमर में विस्फोट, एक होटल कर्मचारी की मौत; तीन लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के कलूर स्थित कैफे के कुकिंग स्टीमर में विस्फोट होने से एक श्रमिक की मौत हो गई। जबकि तीन श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बंगाल निवासी सुमित के रूप में हुई है। घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

अग्निशमन एवं बचाव सेवा अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार शाम को सूचना मिली कि कलूर स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के भूतल पर स्थित कैफे में गैस सिलेंडर में विस्फोट हुआ है।

यह हर देश की सरकार का दायित्व, अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों पर जयशंकर ने क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सैन्य जहाज से अमेरिका में अवैध तरीके से रहने वाले 104 भारतीयों को भेजने को लेकर पहली बार भारत सरकार ने आधिकारिक तौर जानकारी दी है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका से निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है, बल्कि इसके तहत वर्ष 2009 से अभी तक 15,668 भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। विदेश में अवैध तौर पर रहने वाले अपने नागरिकों को वापस लेना हर देश की सरकार का दायित्व है। भारत सरकार अमेरिकी सरकार से बातचीत कर रही है कि निर्वासित लोगों के साथ उड़ान में किसी तरह का दुर्व्यवहार ना हो।

कई सवालों के नहीं मिले जवाब- उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि देश की एजेंसियां अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों और इन्हें मदद करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जयशंकर का यह बयान सरकार की स्थिति तो स्पष्ट करती है लेकिन इसके बावजूद कई सवालों का जवाब नहीं मिल पाया है।

विपक्ष की तरफ से इस प्रकरण को लेकर कई सवाल उठाए, जिस पर जयशंकर ने कुछ नहीं कहा। साथ ही जिस तरह से अमेरिकी बॉर्डर पुलिस के प्रमुख माइकल डब्लू बैंक्स ने सोशल मीडिया पर हाथों में हथकडी व पैरों में बेड़ी डाल कर विमान में ले जाते हुए भारतीयों की जो वीडियो डाली है, उस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

यह भी नहीं स्पष्ट किया कि क्या ब्राजील, कोलंबिया, अलसल्वाडोर की सरकारों की तरह भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों को इस तरह से भेजे जाने पर विरोध किया है या नहीं। क्या पीएम नरेन्द्र मोदी अगले हफ्ते की अपनी संभावित अमेरिका यात्रा में इस मुद्दे को उठाएंगे, इसके बारे में भी उन्होंने कुछ नहीं कहा।

विदेश मंत्री ने रखा पक्ष- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि, वैध आवागमन को प्रोत्साहित करना और अवैध प्रवास को रोकना हमारे सामूहिक हित में है। हमारे नागरिक जो अवैध रूप से आवागमन में संलिप्त रहते हैं वे स्वयं कई तरह के अपराधों के शिकार हो जाते हैं। इस क्रम में वे कई अमानवीय परिस्थितियों के शिकार हो जाते हैं। अगर वे अवैध तौर पर रहते हुए पाए जाते हैं, तो यह सभी देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपने नागरिकों को वापस लें। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक समान्य सिद्धांत हैं।

चीन के कंधे पर बैठ चांद पर पहुंचेगा पाकिस्तान, Chang'e-8 मिशन में देगा ड्रैगन का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांद पर भारत के इतिहास रचने के बाद अब पाकिस्तान भी नए ख्वाब देख रहा है। अब पाक चांद पर अपनी पहुंच के लिए फिर चीन का सहारा लेते दिख रहा है। चांद मिशन में इस्लामाबाद की पहली बड़ी भागीदारी में पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी SUPARCO ने 2028 में चीन के आगामी Chang'e-8 चंद्र मिशन के लिए हाथ मिलाया है।

चीन के मून मिशन में पाक देगा साथ- अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग द्वारा निर्मित एक स्वदेशी रोवर कथित तौर पर Chang'e-8 मिशन में शामिल होगा, जो कि बड़े अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन परियोजना का हिस्सा है।

चीन का इस कारण साथ दे रहा पाक- पाकिस्तान ऑब्जर्वर की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के मून मिशन में पाक के सहयोग का उद्देश्य चंद्रमा पर वैज्ञानिक अनुसंधान में योगदान देना है, विशेष रूप से इसके दक्षिणी ध्रुव के अध्ययन में।

चांद के नमूनों का परीक्षण करेगा Chang'e-8- NASA के अनुसार, Chang'e-8 को चंद्र विज्ञान आधार के निर्माण के लिए आवश्यक तकनीकों का परीक्षण करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिशन पृथ्वी अवलोकन, चांद के नमूनों का विश्लेषण और चंद्रमा के वातावरण में स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए संसाधन उपयोग तकनीकों का परीक्षण करेगा।

पाकिस्तानी रोवर चीन की करेगा मदद- पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, SUPARCO चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया 35 किलोग्राम का रोवर चीनी मिशन की मदद करेगा। ये एक ऐसा क्षेत्र है, जो अपने चुनौतीपूर्ण भूभाग और संभावित वैज्ञानिक खोजों के लिए जाना जाता है।

SUPARCO के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी रोवर चंद्र सतह अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जो मून मिशन के लिए चीन का साथ देगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, मिशन ने इच्छुक देशों के लिए 200 किलोग्राम (440 पाउंड) की पेलोड क्षमता की पेशकश की है। मिशन के डिप्टी चीफ डिजाइनर वांग किओंग ने कहा कि ये पेलोड लैंडर पर लगे उपकरण या रोबोट, रोवर और फ्लाइट व्हीकल जैसी चीजें हो सकती हैं जो लैंडिंग के बाद स्वतंत्र रूप से काम कर सकती हैं।

अमेरिका में रह रहे भारतीयों को बड़ी राहत, ट्रंप के इस आदेश पर लगी रोक; फैसला देते हुए कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे भारतीयों को आज बड़ी राहत मिली है। वीजा पर रहने वाले और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय छात्रों और पेशेवरों को अमेरिका छोड़ने का डर अब खत्म हो जाएगा। दरअसल, सिएटल के एक कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस आदेश पर अनिश्चित काल के लिए रोक दी है, जिसमें जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने का आदेश जारी किया गया था।

कोर्ट ने क्या कहा- ट्रंप सरकार के आदेश की आलोचना करते हुए, सिएटल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप संविधान के साथ नीतिगत खेल खेलने के लिए कानूनी राज को दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप को दूसरा बड़ा झटका- अमेरिका के जिला न्यायाधीश जॉन कफनौर का ये प्रारंभिक रोक जजमेंट अमेरिकी कानून को बदलने के साथ ट्रंप की व्यापक निर्वासन कार्रवाई को दूसरा बड़ा कानूनी झटका है। इससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था।

ट्रंप को जज ने सुनाई खरी-खरी- सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिएटल में गुरुवार को एक सुनवाई के दौरान न्यायाधीश कफनौर ने सख्त लहजे में कहा, यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे राष्ट्रपति के लिए कानून का शासन उनके नीतिगत लक्ष्यों के लिए एक बाधा मात्र है। उनके अनुसार, कानून का शासन कुछ ऐसा है जिसे दरकिनार किया जा सकता है या बस अनदेखा किया जा सकता है, चाहे वह राजनीतिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए हो।

जज ने आगे कहा कि इस न्यायालय में और मेरी निगरानी में कानून का शासन बना रहेगा, चाहे कोई कुछ भी हो। जज ने आगे कहा कि संविधान ऐसी चीज नहीं है जिसके साथ सरकार नीतिगत खेल खेल सके।

जल्द थम जाएगी कीव और मॉस्को की लड़ाई, रूस बोला- अमेरिका को यूक्रेन संघर्ष समाधान नीति बनाने की जरूरत

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को यूक्रेन में संघर्ष को कैसे समाप्त करना है और क्या भूमिका निभानी है, इस पर नीति बनाने की जरूरत है। मास्को अमेरिकी कार्रवाई के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगा।

ट्रंप और पुतिन ने फोन पर बात नहीं की- उन्होंने कहा कि रूस ने इस विषय पर वाशिंगटन से कई बयान सुने हैं, लेकिन अब तक कोई स्पष्टता नहीं है। रूस की समाचार एजेंसी ने गुरुवार को एक वरिष्ठ सांसद के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक की तैयारी एडवांस स्टेज पर है। हालांकि, दोनों पक्षों के अधिकारियों के अनुसार, पद ग्रहण के बाद से ट्रंप और पुतिन ने फोन पर बात नहीं की है।

वहीं, एपी के अनुसार यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी रूस में एक हवाई क्षेत्र पर हमला बोला है। जनरल स्टाफ ने कहा कि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में प्रिमोर्स्को-अख्तरस्क हवाई क्षेत्र पर रात के समय हुए हमले से आग लग गई। यहां से ड्रोन लान्च किया जाता रहा है।

फ्रांस की ओर से पहला मिराज 2000 यूक्रेन को सौंपा गया- वहीं, फ्रांस की ओर से पहला मिराज 2000 यूक्रेन को सौंपा गया। नीदरलैंड ने भी एफ-16 सौंपा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बुधवार को कीव में ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी से मिले। यहां रूस पर प्रतिबंधों और दोनों देशों के बीच साझेदारी समझौते के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

अमेरिका में हिरासत के दौरान खाने को दिया जाता था बीफ, मौत के मुंह से वापस आए लोगों ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेहतर भविष्य के लिए किसी भी तरह अमेरिका जाने के लालच में ऐसी यातना झेलनी पड़ी, जिसे यादकर वे सिहर जा रहे हैं। अमेरिका से जबरिया निर्वासित सुखपाल सिंह हों या 30 वर्षीय लवप्रीत कौर, उनकी डबडबाई आंखें और भर्राई आवाज सारा दर्ज बयां कर रही है।

शिविर में बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था- होशियारपुर के गांव दारापुर के सुखपाल सिंह ने बताया कि अमेरिका में गिरफ्तारी के बाद उन्हें जिस शिविर में रखा गया वहां उन्हें खाने के लिए गोमांस और स्नैक्स दिया जाता था। 12 दिन स्नैक्स खाकर ही गुजारा किया। शिविर में उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था। उन्हें कानूनी सलाहकार या आव्रजन अधिकारियों से मिलने नहीं दिया गया।

कमर और पैरों में बेड़ियां डाल दी गई- विमान पर सवार करने से पहले हथकड़ी पहना दी गई। कमर और पैरों में बेड़ियां डाल दी गई। इस दौरान किसी को भी अपनी सीट से हिलने की अनुमति नहीं थी, यहां तक कि शौचालय तक पहुंच भी बहुत सीमित थी। शौचालय का उपयोग करने से बचने के लिए, मैंने उड़ान में बमुश्किल कुछ खाया या पिया। अमृतसर में विमान के उतरने के बाद बेड़ियां हटा दी गईं।

तालिबान की अराजकता को सहा, हर तरफ था डर का माहौल..., अफगानिस्तान में फंसी भारतीय महिला लौटी वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान राज से पहले कई भारतीयों ने वहां जाकर अपना ठिकाना बना लिया था और गुजर बसर कर रहे थे। अब जब अफगानिस्तान पर तालिबान राज कायम हो गया है, तब वहां रह रहे लोगों का जीना दूभर हो चुका है।

काबुल में खराब होती सुरक्षा व्यवस्था के चलते भारत समेत दूसरे देशों के लोग वहां से बाहर निकलने की कोशिश में हैं। इसी कड़ी में एक भारतीय महिला भी तालिबान राज से बमुश्किल बाहर आई है, जिसने अपनी आप बीती सुनाई है।

अफगानिस्तान से लौटी भारतीय महिला- तालिबान के कब्जे के बाद से तीन साल तक अफगानिस्तान में फंसी रहने के बाद एक भारतीय महिला और उसकी ढाई साल की बेटी बुधवार को भारत लौटी। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय नागरिक इकरा जमाल की शादी एक अफगान नागरिक से हुई थी और तालिबान के सत्ता में आने के बाद वह घर नहीं लौट पाई थी।

इकरा जब भारत लौटी तो उसने अपनी आप बीती सुनाई और बताया कि उसे वहां क्या-क्या सहना पड़ा।

मैंने बहुत डर, डिपरेशन और चिंता का सामना किया है। खासकर तालिबान की वापसी के शुरुआती महीनों में मैंने बहुत कुछ झेला है। जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया, तो देश में अराजक स्थिति पैदा हो गई। मैं उस दौरान भारत जाने वाली उड़ान पकड़ने में असमर्थ रही और फंस गई।

अफगानिस्तान में रहने के दौरान, महिला गर्भवती हो गई और उसने एक बेटी को जन्म दिया। गर्भवती होने के चलते वो वहीं फंस गई थी। बता दें कि बीस साल के विद्रोह के बाद अगस्त 2021 में तालिबान अफगानिस्तान में सत्ता में लौट आया था।

हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर बांधकर अवैध प्रवासी भारतीयों को वतन क्यों भेजा? जानिए क्या कहता है अमेरिका का कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से भारत भेजे गए 104 प्रवासियों को मामले को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। गुरुवार (6 फरवरी) को संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्षी सांसद ने सरकार से पूछा कि आखिर अवैध प्रवासियों के साथ कैदियों जैसा व्यवहार क्यों किया गया। उनके हाथों में हथकड़ियां क्यों लगाई गई।

बता दें कि एक अमेरिकी अधिकारी ने वीडियो शेयर किया, जिसमें देखा जा सकता है कि अवैध प्रवासियों के हाथ-पैरों को चेन से बांधा गया है।

अवैध प्रवासियों को हथकड़ी में बांधकर क्यों भेजा गया- सबसे बड़ा सवाल है कि क्या अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन (निर्वासन) को लेकर अमेरिका का कानून क्या कहता है?

इस सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी निर्वासन का प्रबंधन आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा किया जाता है और इससे जुड़े प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि साल 2012 से ही द्वृष्टश्च द्वारा अवैध प्रवासियों को डोपोर्ट करने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। हालांकि, हमें सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा जानकारी दी गई है कि महिलाओं और बच्चों के हाथों में हथकड़ियां नहीं लगाई गई थी।

NBC की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी आव्रजन अधिकारी व्यक्तियों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने के दौरान एक संरचित प्रक्रिया का पालन करते हैं।

अमेरिका पहुंचकर नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के लिए मजे, ट्रंप को खास तोहफा देकर आतंकी संगठन की उड़ाई खिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिका दौरा किया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गाजा हमले समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। इसी दौरान ट्रंप ने गाजा पर कब्जा करने की बात तक कही। वहीं, मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को एक खास तोहफा दिया, जिससे उन्होंने हिजबुल्लाह की खिल्ली भी उड़ाई।

ट्रंप को दिया गोल्डन पेजर- दरअसल, इजरायली प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक गोल्डन पेजर और एक स्टैंडर्ड पेजर उपहार में दिया। इस गोल्डन पेजर पर नेतन्याहू की ओर से लिखा था, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप, हमारे सबसे बड़े मित्र और सबसे बड़े सहयोगी। वहीं, पेजर पर लिखा था, दोनों हाथों से दबाएं।

हिजबुल्लाह की उड़ाई खिल्ली- जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस चमकदार गिफ्ट पर एक बीपर संदेश था, जो सितंबर 2024 में लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकियों पर इजरायल के घातक पेजर हमले की खिल्ली उड़ाने जैसा था।

दरअसल, जब इजरायल ने हिजबुल्लाह के सदस्यों पर हमला किया था, तब भी उनके पेजर पर प्रेस विद बोथ हैंड्स यानी दोनों हाथों से दबाएं संदेश लिखा था, जिसे दबाते ही वो फट गए।

दूसरी ओर, व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान आभार व्यक्त करते हुए ट्रंप ने कहा, यह एक शानदार ऑपरेशन था।

संभल में बुलडोजर एक्शन का मामला, अवमानना याचिका पर सुनवाई से SC का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें सम्भल के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही करने की मांग की गई थी। देश की शीर्ष न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता को संबंधित मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट जाना चाहिए।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है और सम्भल के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग की गई है, जिसमें संपत्तियों को ध्वस्त करने के उसके फैसले का कथित रूप से उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

पीठ ने सुनवाई से किया इनकार- इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता मोहम्मद गयूर के वकील से कहा कि वे इसे उच्च न्यायालय में दाखिल करें। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि इस मुद्दे को अधिकार क्षेत्र वाले उच्च न्यायालय द्वारा सबसे बेहतर तरीके से निपटाया जा सकता है। इसलिए हम याचिकाकर्ता को अधिकार क्षेत्र वाले उच्च न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता देते हुए वर्तमान याचिका का निपटारा करते हैं। बता दें कि अदालत ने कहा कि 13 नवंबर, 2024 के अपने फैसले में उसने यह स्वतंत्रता दी थी कि यदि कोई उल्लंघन होता है, तो अधिकार क्षेत्र वाला उच्च न्यायालय शिकायत पर विचार करने का हकदार होगा।

याचिका में लगाया गया कोर्ट की अवमानना का आरोप- अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से दायर अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि अधिकारियों ने शीर्ष अदालत के 13 नवंबर, 2024 के फैसले का उल्लंघन किया है।

अमेरिका ने भारतीयों को दिया सबसे ज्यादा एच1बी वीजा, राज्यसभा में सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका द्वारा जारी एच1बी वीजा में सबसे ज्यादा भारतीयों को मिला है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 की अवधि के लिए अमेरिका द्वारा जारी किए गए सभी एच1बी वीजा में से 72.3 प्रतिशत भारतीय नागरिकों को प्राप्त हुए हैं।

हसीना पिछले साल पांच अगस्त से भारत में रह रही- उन्होंने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष शुरू होने से पहले 21,928 भारतीय छात्र थे, लेकिन एक नवंबर, 2024 तक केवल 1,802 छात्र विभिन्न यूक्रेनी विश्वविद्यालयों में नामांकित हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि बांग्लादेश सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सरकार को कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हसीना पिछले साल पांच अगस्त से भारत में रह रही हैं।

रूसी सशस्त्र बलों में शामिल 16 भारतीय लापता- सरकार ने संसद को सूचित किया कि रूसी सशस्त्र बलों में शामिल 16 भारतीयों को रूसी पक्ष द्वारा लापता बताया गया है।

दिल्ली-यूपी में हल्की पड़ी ठंड, हिमाचल-राजस्थान में चल रही शीतलहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में सूरज देवता दिन में जमकर चमकर रहे हैं। हालांकि दिन में चल रही ठंडी हवाओं ने ठंड अभी तक बरकरार रखी है। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में आज हल्का कोहरा छाएगा। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में व्यापक वर्षा हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति होने की संभावना है। हिमाचल और कश्मीर के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना- एक पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) को पश्चिम अफगानिस्तान और उसके पड़ोस पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जाता है और एक और ताजा डब्ल्यूडी 8 फरवरी से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की उम्मीद है। 6-7 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश और उत्तर-पूर्व असम में छिटपुट हल्की वर्षा/बर्फबारी की गतिविधि होने की संभावना है, 7 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।

एक और पश्चिमी विक्षोभ के परिणामस्वरूप 8-11 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट हल्की वर्षा/बर्फबारी की गतिविधि होने की संभावना है।

नौकरीपेशा लोगों के लिए ही नहीं, किसानों के लिए भी वरदान साबित हुआ एआई, फिर भी क्या है रास्ते का रोड़ा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर के नौकरीपेशा लोगों के लिए एआई एक वरदान बनकर सामने आया है और सिर्फ नौकरी ही नहीं रोजमर्रा की निजी जरूरतों के समाधान के लिए भी एआई मददगार साबित हुआ। इस बीच कर्नाटक के खेती-किसानी करने वाले आर मुरली से भी एआई अछूता नहीं है।

समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, आर मुरली हर रोज सुबह में अपने फोन में एक ऐप को खोलते हैं और जांचते हैं कि उनके अनार के पेड़ों को पानी, खाद की जरूरत हैं या नहीं या फिर कहीं ऐसा तो नहीं कि उन पेड़ों में कीड़े लग गए हों।

मुरली के खेत में ऐसे सेंसर लगे हैं जो मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों के स्तर और मौसम को लेकर पूर्वानुमान पर लगातार अपडेट देते हैं। वह कहते हैं, ÷ऐप पहली चीज है जिसे मैं जागते ही चेक करता हूं.÷

मुरली ने कहा कि उन्होंने एक स्टार्टअप फसल की ओर से विकसित एआई सेवा का इस्तेमाल किया है। इसके जरिए खेत या फसल को कब और कितना पानी, खाद और कीटनाशक की आवश्यकता है, इसकी मॉनिटरिंग होती है। इसके इस्तेमाल से किसानों की लागत 20 प्रतिशत तक कम हुई है।

फसल ऐप और किसानों के बीच क्या बन रहा रोड़ा- भारत में खेती-किसानी अर्थव्यवस्था में एक बड़ा योगदान देती है, लेकिन लगातार बदलते मौसम और कई दूसरी समस्याओं की वजह से इस सेक्टर में आमदनी कम हुई है। फसल सरीखे ऐप भले ही किसानों के लिए फायदेमंद हैं लेकिन इसकी लागत काफी ज्यादा है।

भारत में पहले से ही 450 से अधिक एग्रीटेक स्टार्टअप्स हैं। 2023 में सरकार के नीति आयोग थिंक टैंक की रिपोर्ट के अनुसा, इस सेक्टर का अनुमानित मूल्यांकन 24 अरब डॉलर है।

एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, लेकिन फसल के प्रोडक्ट के इंस्टॉलेशन की लागत 5000 रुपये से लेकर 25000 रुपयों के बीच है।

रतन टाटा की वसीयत का मिस्ट्री मैन, जिनके हिस्से आने वाली है करीब 500 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 के अक्टूबर के महीने में देश ने एक महान व्यक्ति को खो दिया, जिन्होंने पूरी जिंदगी लोगों की मदद की और अब उनके निधन के बाद भी उनकी चर्चा आए दिन होती रहती है। हम बात कर रहे हैं रतन टाटा की।

रतन टाटा का निधन 9 अक्टूबर 2024 को हुआ था। उनके निधन के बाद से लगातार ऐसी बातें सामने आती रही है कि आखिर उनकी संपत्ति किसे मिलेगी?

अब एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें एक मिस्ट्री मैन के बारे में जिक्र है, जिन्हें रतन टाटा की संपत्ति में करीब 500 करोड़ की हिस्सेदारी मिल सकती है। दरअसल, द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, रतन टाटा ने अपनी 500 करोड़ की संपत्ति मोहिनी मोहन दत्ता को दे दी है, जो रतन टाटा और परिवार वालों के करीबी व्यक्ति माने जाते हैं।

रतन टाटा ने जो वसीयत बनवाई है उसमें मोहिनी मोहन दत्ता का जिक्र उनके एक और उत्तराधिकारी के रूप में है। हालांकि, यह 500 करोड़ की संपत्ति मोहिनी मोहन दत्ता को प्रोबेट से गुजरने और उच्च न्यायालय द्वारा प्रमाणित होने के बाद ही दिया जाएगा। अभी इस काम में करीब छह महीने का वक्त लग सकता है।

कौन हैं मोहिनी मोहन दत्ता- मोहिनी मोहन दत्ता जमशेदपुर के एक उद्यमी हैं और वह स्टैलियन कंपनी के सह-मालिक हैं। हालांकि, स्टैलियन बाद में जा कर टाटा सर्विसेज का हिस्सा बन गया था। जब स्टैलियन का विलय टाटा सर्विसेज में हुआ, उससे पहले मोहिनी मोहन दत्ता के पास कंपनी में 80त्न की हिस्सेदारी थी और टाटा सर्विसेज के पास शेष 20त्न हिस्सेदारी थी।

मोहिनी मोहन दत्ता ने रतन टाटा के अंतिम संस्कार के समय यह खुलासा किया था कि, वो और रतन टाटा एक दूसरे को सालों पहले से जानते थे और वो दोनों पहली बार जमशेदपुर में डीलर्स हॉस्टल में मिले थे जब वो सिर्फ 24 साल के थे।

यह तो गुंडागर्दी है, शेख मुजीबुर्रहमान के आवास पर हुआ हमला तो भारत ने युनूस सरकार को सुनाई खरी-खरी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान के ऐतिहासिक आवास पर बुधवार रात आगजनी और तोड़फोड़ की गई। बुधवार रात को प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के धानमंडी क्षेत्र में मुजीबुर्रहमान के घर के सामने रैली की थी।

यह रैली इंटरनेट मीडिया पर बुलडोजर जुलूस के आह्वान के बाद की गई। हसीना के भारत से एक ऑनलाइन संबोधन के विरोध में यह कदम उठाया गया था। इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वहीं, इस घटना पर भारत की ओर से भी चिंता जाहिर की गई है।

भारत ने इस घटना को गुंडागर्दी करार दिया है। भारत की यह प्रतिक्रिया गुरुवार शाम को आई। उससे पहले दिन में बांग्लादेश की सरकार ने ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब कर देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के वर्चुअल भाषण को लेकर अपनी आपत्ति जताई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, यह बहुत ही दुख की बात है कि बांग्लादेश में अत्याचार और बाहरी आक्रमण के विरोध का साहसिक विरोध के प्रतीक शेख मुजीबुर्रहमान के ऐतिहासिक आवास को आग के हवाले कर दिया गया। जो लोग बांग्लादेश में आजादी की लड़ाई के मूल्यों को समझते हैं और बांग्ला पहचान व गर्व को मानते हैं, वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने में शेख मुजीबुर्रहमान के आवास के महत्व को समझते हैं। गुंडागर्दी की कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करनी चाहिए।

बता दें कि वर्तमान में मुजीबुर्रहमान के आवास को संग्रहालय के तौर पर स्थापित किया गया था। शेख हसीना ने वर्चुअल तरीके से यह भाषण भारत से दिया था। बांग्लादेश ने इस भाषण को लेकर भारत से अनुरोध किया है कि वह शेख हसीना की गतिविधियों पर रोक लगाए। इससे बांग्लादेश में अस्थिरता का माहौल पैदा हो रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल एकादशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

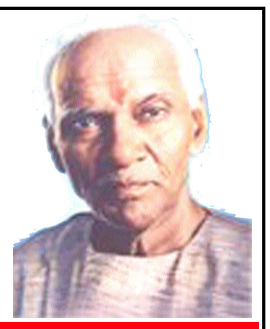

संपादकीय

स्कूल जाने वाले व स्ट्रीट वेंडर बच्चों की मैथ्स में कितना अंतर है....

स्कूल जाने वाले व स्ट्रीट वेंडर बच्चों की मैथ्स में कितना अंतर है. एक रिसर्च में इस बात का खुलासा हुआ है।

भारतीय बच्चों में स्कूल में पढ़ाए जाने वाले मैथ्स और वास्तविक जीवन में काम आने वाली मैथ्स के बीच एक बड़ा अंतर है. यह खुलासा हाल ही में हुए एक नई रिसर्च से पता चला है. स्टडी बताती है कि जहां स्कूल जाने वाले बच्चे ऐकडेमिक मैथ्स में अच्छे होते हैं, वहीं बाजार में काम करने वाले बच्चे जटिल लेन-देन को मानसिक रूप से जल्दी से हल कर सकते हैं, लेकिन वे स्कूल के मैथ्स में संघर्ष करते हैं।

यह अध्ययन नोबेल पुरस्कार विजेता एस्थर डुफलो और अभिजीत बनर्जी सहित शोधकर्ताओं की टीम ने किया है. उन्होंने यह जांचने की कोशिश की कि क्या वास्तविक जीवन में प्राप्त मैथमेटिक्स कौशल स्कूल में उपयोगी हो सकते हैं और क्या स्कूल में सीखी गई मैथमेटिक्स तकनीकें जीवन के वास्तविक दुनिया में काम आती हैं. शोधकर्ताओं ने दिल्ली और कोलकाता के बाजारों में 1,436 बाल विक्रेताओं और 471 स्कूल बच्चों के साथ अध्ययन किया।

इस अध्ययन में यह पाया गया कि बाल विक्रेता जटिल मानसिक गणना को अपने बिक्री लेन-देन में बगैर किसी मदद के हल कर सकते हैं, लेकिन वही समस्या जब उन्हें किताबों में दी जाती है, तो वे उन्हें हल नहीं कर पाते. दूसरी ओर, स्कूल के बच्चे मैथ्स के टेक्स्टबुक वाले सवालों को हल करने में अच्छे होते हैं, लेकिन वे बाजार में होने वाली वास्तविक लेन-देन की गणना नहीं कर पाते।

इस अध्ययन में शामिल सभी बच्चे 17 साल से कम उम्र के थे और अधिकतर 13 से 15 साल के थे. कार्यरत बच्चों में से 1त्न से भी कम स्कूल जाने वाले बच्चे उन व्यावहारिक बाजार समस्याओं को हल कर पाए जो एक तिहाई कामकाजी बच्चों ने आसानी से हल कर दी थीं. यह दर्शाता है कि कामकाजी बच्चे मानसिक शॉर्टकट्स का इस्तेमाल करते हैं, जबकि स्कूल जाने वाले बच्चे धीमे, लिखित गणना पर निर्भर रहते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत में शिक्षा प्रणाली इस अंतर को दूर करने में असफल रही है, जहां स्कूल और वास्तविक जीवन के मैथ्स के बीच कोई तालमेल नहीं है. यह अध्ययन एमआईटी, हावर्ड युनिवर्सिटी और अन्य संस्थाओं के शोधकर्ताओं ने किया है, और इसे नैचुरल जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

स्कूल की शिक्षा प्रणाली में घर और स्कूल के ज्ञान के बीच कोई संबंध नहीं है, जो न केवल स्कूल शिक्षा के लिए बुरा है, बल्कि ऐसे बहुत से टैलेंट को पहचानने में भी मदद नहीं करता, जो पहले से ही मौजूद हैं. उनका कहना है कि पाठ्यक्रम को फिर से सोचने की आवश्यकता है, ताकि बच्चों को दोनों प्रकार के मैथ्स को जोड़कर पढ़ाया जा सके.

इस शोध से यह भी सामने आया कि जब बच्चों से असामान्य मात्रा में सामान खरीदी गई, जैसे 800 ग्राम आलू और 1.4 किलोग्राम प्याज, तो अधिकतर बच्चों ने बिना किसी सहायता के सही गणना की. लेकिन जब उन्हें स्कूल के मैथ्स के सवाल दिए गए, तो उनमें से बहुत कम बच्चे सही जवाब दे पाए.

यह अध्ययन हमें बताता है कि स्कूल में बच्चों को मैथ्स केवल एक करीकुलम के रूप में सिखाया जाता है, और जब वे उसे वास्तविक जीवन में लागू करने की कोशिश करते हैं, तो वह काम नहीं करता.

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी भारत के स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, क़ानून विशेषज्ञ व गुजराती, अंग्रेजी, हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा शिक्षाविद थे, जो बम्बई के गृहमंत्री, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल भी रहे थे। भारत सरकार के खाद्य मंत्री पद पर रहे। उन्होंने मुम्बई में भारतीय विद्या भवन की स्थापना की। इन्होंने मुंशी प्रेमचंद के साथ हंस का संपादन भी संभाला था।

जीवन परिचय

कन्हैयालाल मुंशी का जन्म भड़ोच (गुजरात) के उच्च सुशिक्षित भागर्व ब्राह्मण परिवार में हुआ था। कन्हैयालाल की प्रारम्भिक शिक्षा अपनी माँ के धार्मिक गीतों और कथाओं से हुई। बड़ौदा में अपनी महाविद्यालीय शिक्षा के दौरान कन्हैयालाल मुंशी को अध्यापक के रूप में अरविंद घोष (महर्षि अरविंद) का सान्निध्य मिला। इस सम्पर्क से मुंशी के मन में औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध हथियारबंद विद्रोह का संकल्प जगा। साथ ही इसी सम्पर्क ने मुंशी के हृदय में भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक धरोहर के प्रति अगाध श्रद्धा भी भर दी। 1910 में मुंशी ने बम्बई विश्वविद्यालय से एलएलबी की उपाधि प्राप्त की और वकालत शुरू करने के बाद बहुत कम समय में ही बम्बई उच्च न्यायालय के प्रमुख वकीलों में से एक बन गये। हिंदू कानून पर मुंशी को असाधारण महारत थी क्योंकि उन्होंने यह ज्ञान केवल कानूनी किताबों से नहीं बल्कि मिताक्षर व धर्मशास्त्रों के गम्भीर व तर्कसंगत अध्ययन से प्राप्त किया था।

भारतीय विद्या भवन की स्थापना

स्वाधीनता से लगभग दस साल पहले नवम्बर, 1938 में उन्होंने भारतीय विद्या भवन की स्थापना की ताकि भारत के वर्तमान तथा भविष्य को भारत के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण से संजोया जा सके। 1938 में मुंशी और उनके तीन मित्रों द्वारा दिये गये 250 रुपये प्रति वर्ष के योगदान से स्थापित भारतीय विद्या भवन के आज सारे विश्व में लगभग 120 केंद्र और इनसे जुड़े हुए 350 से अधिक शैक्षणिक संस्थान हैं। भवन से संबंधित कई संस्थानों में इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, मैनेजमेंट, संचार व पत्रकारिता, विज्ञान, कला व वाणिज्य की पढ़ाई की व्यवस्था है। लेकिन इन सबसे ऊपर भवन ने भारतीय विद्या के अध्ययन-अध्यापन पर सर्वाधिक ध्यान दिया है।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

भारत की स्वाधीनता के लिए आतुर कन्हैयालाल मुंशी पहले विश्व-युद्ध के दौरान एनी बेसेंट के होम रूल आंदोलन से जुड़ गये लेकिन बाद में गाँधी के सम्पर्क में आने पर उन्होंने कांग्रेस का साथ देने का फ़ैसला किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में 1928 के बारदोली सत्याग्रह में कन्हैयालाल मुंशी जी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

इसी प्रकार 1930 के नमक सत्याग्रह में मुंशी ने सपत्नीक भागीदारी की। नमक सत्याग्रह में भागीदारी के चलते उन्हें छह महीने का कारावास भी भुगतना पड़ा। 1931 में सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लेने के दण्डस्वरूप मुंशी को दो साल की सज़ा सुनायी गयी। 1937 में कन्हैयालाल मुंशी को तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी की पहली निर्वाचित सरकार में मंत्री पद पर नियुक्त किया गया। हालाँकि उनकी व्यक्तिगत पसंद कानून व शिक्षा मंत्रालय थी, लेकिन उन्हें गृह मंत्रालय जैसे महत्त्वपूर्ण विभाग का उत्तरदायित्व सौंपा गया। यह उस दौर की बात है जब अंग्रेज़ी हुकूमत भारतीयों को स्वशासन के लिए पूर्णतः अक्षम मानती थी। विशेषकर साम्प्रदायिक मसलों पर वह भारतीयों को विफल देखना चाहती थी। लेकिन मुंशी ने अपने गृहमंत्री के कार्यकाल में कार्यकुशलता, निष्पक्षता व न्यायप्रियता का नमूना पेश किया।

संविधान-निर्माण में योगदान

स्वतंत्र भारत के लिए नये संविधान-निर्माण के रचयिताओं में आदर्शवाद व यथार्थवाद के मिश्रण की आवश्यकता थी। राजनीतिक अंतर्दृष्टि और कुशाग्र कानूनी बुद्धि से परिपूर्ण कन्हैयालाल मुंशी इस कार्य में सबसे दक्ष माने गये। संविधान-निर्माण के लिए बनायी गयी समितियों में से मुंशी सबसे ज़्यादा ग्यारह समितियों के सदस्य बनाये गये। डॉ. भीमराव आम्बेडकर की अध्यक्षता में बनायी गयी संविधान निर्माण की प्रारूप समिति में कानून में 'हर व्यक्ति को समान संरक्षण' के सिद्धांत का मसविदा मुंशी और आम्बेडकर ने संयुक्त रूप से लिखा था। इसी प्रकार कई अड़चनों और व्यवधानों के बावजूद हिंदी तथा देवनागरी लिपि को नये भारतीय संघ की राजभाषा का स्थान दिलाने में मुंशी ने सबसे प्रमुख भूमिका निभायी। 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा के इस निर्णय को प्रति वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान-निर्माण में कन्हैयालाल मुंशी का सबसे ज़्यादा ध्यान एक मज़बूत केंद्र के अंतर्गत संघीय प्रणाली विकसित करना था, देसी रियासतों के भारत में विलय की मुश्किलों के संदर्भ में और असंख्य विविधताओं वाले इस नव-स्वतंत्र राष्ट्र में मुंशी सहित अन्य संविधान-निर्माताओं ने एक मज़बूत केंद्रीय सरकार को अपरिहार्य माना। कन्हैयालाल मुंशी के लिए भारतीय संविधान की पहली पंक्ति 'इण्डिया दैट इज़ भारत' वाक्यांश का अर्थ केवल एक भूभाग नहीं बल्कि एक अंतहीन सभ्यता है, ऐसी सभ्यता जो अपने आत्म-नवीनीकरण के ज़रिये सदैव जीवित रहती है।

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल

1947 में हैदराबाद के निज़ाम ने अपनी रियासत को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता देने की माँग की तो इस समस्या को सुलझाने के लिए भारत सरकार ने मुंशी को हैदराबाद में भारत सरकार का प्रतिनिधि (एजेंट जनरल) नियुक्त किया। हैदराबाद राज्य के भारत में विलय के बाद तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने इस अभियान में मुंशी की अहम भूमिका की बहुत प्रशंसा की। अपने इस दुरूह कार्य को सम्पन्न करने के बाद मुंशी ने इस पर अपने संस्मरण द एंड ऑफ़ ऐन इरा (हैदराबाद मेमोइर्स) नामक एक पुस्तक भी लिखी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मुंशी केंद्रीय मंत्रिमण्डल में उनके स्थान पर कृषि व खाद्य मंत्री बने। इसी दौरान उन्होंने पर्यावरण तथा वानिकी के संरक्षण के लिए कई कारगर प्रयास आरम्भ किये। हर वर्ष जुलाई में आयोजित वन महोत्सव कन्हैयालाल मुंशी के उन्हीं प्रयासों की ही देन है। स्वतंत्र भारत में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भी मुंशी के एजेंडे पर था। उनकी इस सक्रियता के कारण प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने एक कैबिनेट बैठक के बाद कन्हैयालाल मुंशी से कहा कि आप सोमनाथ मंदिर की पुनःस्थापना के लिए जो प्रयास कर रहे हैं, वे मुझे पसंद नहीं हैं। 1952 से 1957 तक कन्हैयालाल मुंशी उत्तर प्रदेश राज्य के राज्यपाल रहे। 1959 में मुंशी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से त्यागपत्र देकर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गये। इसके कुछ समय बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की सदस्यता ग्रहण कर ली।

साहित्यिक परिचय

एक रचनाकार और सम्पादक के रूप में कन्हैयालाल मुंशी की उपलब्धियाँ अनूठी हैं, जैसे यंग इण्डिया अख़बार का सम्पादन और मुंशी प्रेमचंद के साथ हंस पत्रिका का सम्पादन। कन्हैयालाल मुंशी एक असाधारण साहित्यकार थे। उन्होंने गुजराती, हिंदी व अंग्रेज़ी में सौ से ज़्यादा उत्कृष्ट ग्रंथों की रचना की। एक साहित्य सेवक के रूप में उन्होंने गुजराती साहित्य परिषद्, संस्कृत विश्वपरिषद् तथा हिंदी साहित्य सम्मलेन की अगुआई भी की। एक शिक्षाविद् के रूप में भी मुंशी ने अनेक शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की। इनमे सबसे उल्लेखनीय है सरदार पटेल के साथ मिल कर आणंद में भारतीय कृषि संस्थान की स्थापना, जो आज एक पूर्ण विश्वविद्यालय है।

निधन

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का देहांत 8 फ़रवरी, 1971 को हुआ।

खुशखबरी! अब सस्ता होगा होम और कार लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करके जनता को बड़ी राहत है। उनकी अगुआई में हुई RBI की MPC में करीब पांच साल बाद कटौती करने का फैसला किया गया है। उसने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की है। अब नीतिगत ब्याज दर 6.5 से घटकर 6.25 हो जाएगी।

आरबीआई के ब्याज दरों में कटौती करने के बाद होम लोन, कार लोन और बाकी कई अन्य लोन भी सस्ते हो जाएंगे। अगर अपने फ्लोटिंग रेट पर होम या कार लोन लिया है, तो उसकी श्वस्ढ्ढ भी कम हो जाएगी। केंद्रीय बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय टैक्स फ्री होने के बाद यह फरवरी 2025 में आम जनता के लिए दूसरी बड़ी राहत है।

सभी बैंक लोन देने के लिए आरबीआई से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई उन्हें जिस रेट पर उधार देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। अब मान लीजिए कि रेपो रेट 6 फीसदी है, अब जब बैंकों को ही 6 फीसदी आरबीआई से कर्ज मिलेगा, तो वह इससे सस्ती दर पर लोन नहीं दे सकेंगे। उन्हें बल्कि लोन इससे महंगा देना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अपनी कमाई लागत भी देखनी होगी।

इसलिए जब भी आरबीआई रेपो रेट में कमी या बढ़ोतरी करता है, तो बैंक भी उसी हिसाब से कर्ज सस्ता या महंगा करते हैं। जैसे कि इस बार आरबीआई ने रेपो रेट कम किया है। इससे बैंकों को केंद्रीय बैंक से सस्ता कर्ज मिलेगा और वे इसका फायदा ब्याज दर घटाकर आम जनता को भी देंगे। इससे आपके लिए कार लोन, होम लोन या फिर पर्सनल लोन लेना सस्ता हो जाएगी। और आपकी श्वस्ढ्ढ (इक्केटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) में भी कमी आएगी।

आरबीआई ने इससे पहले आखिरी बार मई 2020 में कोरोना महामारी के समय रेपो रेट में 0.40 फीसदी कटौती की थी। उस वक्त यह चार फीसदी पर आ गई थी। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी और आरबीआई ने जोखिमों से निपटने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू किया।

तिमाही नतीजे से निराश निवेशक बेचने रहे हैं शेयर, 19 लुढ़का भाव, एक्सपर्ट बुलिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी कंपनी सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज करीब 20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस गिरावट के पीछे की वजह दिसंबर तिमाही के नतीजे हैं। कंपनी इंडस्ट्री के अनुमान के अनुसार प्रदर्शन करने में विफल रही है। बता दें, सोनाटा सॉफ्टवेयर के शेयरों का भाव आज 52 वीक लो लेवल पर पहुंच गया।

कंपनी के लिए चिंता की बात यह है कि क्लाइंट्स की संख्या में भी गिरावट आई है। जिसकी वजह से माना जा रहा है चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी की कमाई पर असर दिखेगा। एक्सपर्ट्स की मानें तो अगले वित्त वर्ष के लिए अभी से कुछ भी कहना आसान नहीं होगा। बीएसई में कंपनी के शेयर 480 रुपये के लेवल पर खुला था। बीएसई में दिन में कंपनी के शेयर 445.65 रुपये के लेवल तक लुढ़क गए। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल 445.65 रुपये है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो हाई 867.10 रुपये है। सोनाटा सॉफ्टवेयर के शेयर अपने 52 वीक हाई 50 प्रतिशत की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 13648 करोड़ रुपये का है। भले ही आज का प्रदर्शन निराशाजनक रहा हो लेकिन ब्रोकरेज हाउस Emkay Global इस स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर बुलिश हैं।

डिफेंस कंपनी को हुआ 807 करोड़ रुपये का प्रॉफिट, अचानक होने लगी शेयरों की खरीदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि दिसंबर तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 807.40 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 29.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 623.87 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी के लिए शानदार रही दिसंबर तिमाही- मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स का रेवन्यू अक्टूबर से दिसंबर 2024 के दौरान 3143.62 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 2362.47 करोड़ रुपये रहा था। डिफेंस कंपनी का सालाना आधार पर कंपनी का रेवन्यू 30 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर भी मझगांव डॉक का रेवन्यू 14 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले की तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 2756.83 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, नेट प्रॉफिट सितंबर तिमाही की तुलना में 38.7 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर क्वार्टर में इस डिफेंस कंपनी का नेट प्रॉफिट 581.84 करोड़ रुपये रहा था।

शेयरों में हलचल- बीएसई में कंपनी के शेयर 2197.55 के लेवल पर खुले थे। दिन में मझगांव डॉक के शेयर 2275.55 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 2231.85 पर था।

1 साल में 100 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है शेयर- आज की तेजी के बाद भी मझगांव डॉक के शेयरों में बीते एक महीने के दौरान 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, डिफेंस स्टॉक एक साल में 107 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, 2 साल में स्टॉक का भाव 500 प्रतिशत बढ़ा है।

स्टॉक मार्केट इंफ्लुएंसर अस्मिता पटेल पर चला सेबी का डंडा, 50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ने कड़ा एक्शन लेते हुए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अस्मिता पटेल पर कड़ा एक्शन लिया है। सेबी ने उनकी कंपनी ग्लोबल स्कूल ऑफ ट्रेडिंग की 53.67 करोड़ जब्त कर लिया है। रेगुलेटर ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि क्यों ना 104.60 करोड़ रुपये जब्त किया जाए। यह वह पैसा है जो कंपनी ने अलग-अलग प्रोग्राम की फीस के तौर पर जुटाया था।

अस्मिता पटेल के पास 520000 सब्सक्राइबर- अस्मिता पटेल के यूट्यूब चैनल पर 520000 सब्सक्राइब हैं। बता दें, कंपनी के खिलाफ इस एक्शन की वजह ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम अवैध निवेश की सलाह देना है। यह जांच 42 छात्रों की शिकायत के बाद शुरू हो गया है। ऐसा ही कुछ एक्शन दिसंबर 2024 में रविंद्र बालू भारती के खिलाफ लिया गया था। उनके यूट्यूब चैनल को 4 अप्रैल 2025 तक बंद रहेगा।

मार्केट रेगुलेटर ने पाया है कि स्कूल ने अनअधिकारिक इंवेस्टमेंट साल दी है। जोकि नियमों का उल्लंघन है। उनकी कंपनी के कुल लोकप्रिय प्रोग्राम Let's Make India Trade (LMIT), Master's in Price Action Trading (MPAT) और Options Multiplier (OM) है। बता दें, मार्केट रेगुलेटर इस बात को लेकर चिंतित है कि ऐसे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की संख्या बढ़ रही है जो सेबी रजिस्टर्ड नहीं है।

बढ़कर 564 करोड़ रुपये पहुंचा ओला इलेक्ट्रिक का घाटा, IPO प्राइस से भी नीचे हैं शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर शुक्रवार को 2 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 70.02 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयर अपने IPO प्राइस से भी नीचे ट्रेड कर रहे हैं। आईपीओ में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर का दाम 76 रुपये था। दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का घाटा बढ़ा है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 157.53 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 64.68 रुपये है।

दिसंबर तिमाही में कंपनी को 564 करोड़ रुपये का घाटा- चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का घाटा बढ़कर 564 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 376 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। सितंबर 2024 तिमाही के मुकाबले भी कंपनी का घाटा बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में ओला इलेक्ट्रिक को 495 करोड़ रुपये का लॉस हुआ था।

19% से ज्यादा घट गया ओला इलेक्ट्रिक का रेवेन्यू- ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 19.4 पर्सेंट घटकर 1045 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही के दौरान कई फेस्टिव डिस्काउंट्स ऑफर किए हैं। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के दौरान ओला इलेक्ट्रिक का रेवेन्यू 1644 करोड़ रुपये था। वहीं, सितंबर 2024 तिमाही के दौरान ओला इलेक्ट्रिक का रेवेन्यू 1214 करोड़ रुपये था।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर 20 अगस्त 2024 को 157.53 रुपये के ऑल-टाइम हाई पर थे। कंपनी के शेयर 7 फरवरी 2025 को 70.02 रुपये पर बंद हुए हैं। 52 हफ्ते के हाई से कंपनी के शेयर आधे से ज्यादा टूट गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ 2 अगस्त 2024 को दांव लगाने के लिए खुला था और यह 6 अगस्त तक ओपन रहा। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9 अगस्त 2024 को BSE में 75.99 रुपये पर लिस्ट हुए और लिस्टिंग वाले दिन ही तेजी के साथ 91.18 रुपये पर पहुंच गए।

रेलिगेयर अधिग्रहण विवाद में सुप्रीम कोर्ट सख्त, सेबी की भूमिका पर भी उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के अधिग्रहण मामले में बर्मन परिवार का ओपन ऑफर 12 फरवरी तक खुला रहेगा। इस अवधि तक अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित निवेशक दिग्विजय गायकवाड़ को बयाना राशि के रूप में 600 करोड़ जमा करना होगा। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में सेबी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं।

कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि यदि गायकवाड़ समय सीमा तक यह रकम जमा कर देते हैं तो बर्मन परिवार का ओपन ऑफर तब तक खुला रहेगा जब तक सेबी काउंटर ऑफर के लिए गायकवाड़ के आवेदन पर फैसला नहीं कर लेता। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि मामले का फैसला अंततः गायकवाड़ परिवार के पक्ष में आता है, तो बर्मन परिवार को महत्वपूर्ण वित्तीय परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हरियाणा में SBI से महिला ने चुराए 10 लाख रुपये, दोबारा गई तो पुलिस ने धरा; पैसे राजगढ़ से बरामद

राजगढ़। हरियाणा के भिवानी स्थित एसबीआई बैंक से एक महिला ने 10 लाख रुपये से भरा एक बैग गायब कर दिया। बैग गायब करने के बाद महिला ने पैसे राजगढ़ जिले में कडिया गांव पहुंचा दी थी।

जानकारी लगने के बाद भिवानी से क्राइम ब्रांच की टीम बोड़ा थाने पहुंची व यहां की पुलिस की मदद से 9 लाख 70 हजार रुपये बरामद किए हैं।जबकि आरोपित महिला को पहले ही भिवानी से गिरफ्तार कर लिया था।भिवानी एसबीआई बैंक से हुई थी चोरी 16 दिसंबर 2024 को एक महिला 10 लाख रुपये जमा करने के लिए हरियाणा के भिवानी में स्थित एसबीआई बैंक शाखा गई हुई थी। महिला रुपयों से भरा बैग लेकर जैसे ही बैंक पहुंची तो वहां पर एक महिला ने बैग को पार कर दिया था।

मामले की शिकायत दर्ज होने पर पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम महिला को तलाश रही थी, जिसके कुछ दिन बाद महिला को भिवानी से ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

महिला को साथ लेकर बोड़ा पहुंची थी पुलिस

भिवानी से महिला को गिरफ्तार करने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने सख्ती के साथ पूछताछ की। ऐसे में महिला ने बताया कि वह मप्र के राजगढ़ जिले के बोड़ा थाने के कडिया सांसी गांव की रहने वाली है। चोरी की गई राशि उसने अपने गांव कडिया सांसी पहुंचा दी है।

इसके बाद वहां से क्राइम ब्रांच की टीम बुधवार को महिला को अपने साथ लेकर पहले बोड़ा थाने पहुंची थी। बोड़ा पुलिस के साथ फिर गांव पहुंची। वहां से बोड़ा पुलिस की मदद से 9 लाख 70 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं।

दूसरी बार चोरी की फिराक में पहुंचने पर पकड़ी गई महिला

16 दिसंबर को एसबीआइ बैंक से 10 लाख का बैग गायब करने के बाद से ही आरोपित महिला गायब चल रही थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश कर रही थी। कुछ दिन बाद फिर से उसी एसबीआई बैंक में चोरी की नियत से पहुंची थी, जहां भिवानी की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।कडिया सांसी की महिला ने भिवानी की एसबीआइ बैंक से 10 लाख रुपये का बैग गायब किया था। दूसरी बार चोरी करने पहुंचने के दौरान वह पकड़ी गई। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम बुधवार को लेकर बोड़ा आई थी। हमने ग्रामीणों को समझाइश के बाद 9 लाख 70 हजार रुपये वापस करवा दिए हैं।

धर्मेन्द्र शर्मा, थाना प्रभारी बोड़ा

10वीं-12वीं की परीक्षा 24 फरवरी से होगी शुरू, इन विद्यार्थियों को मिलेगा एक घंटा ज्यादा

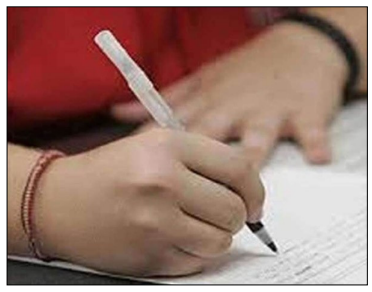

भोपाल । मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 24 फरवरी से आयोजित की जा रही है। बोर्ड परीक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं दी गई हैं। वे अपने साथ लेखक को ले जा सकेंगे। साथ ही कंप्यूटर या टाइप राइटर चयन की सुविधा भी दी गई है।

इन सभी की जानकारी स्कूलों को 15 फरवरी तक माशिमं को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा इन विद्यार्थियों को तीन घंटे की परीक्षा के दौरान एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसके लिए माशिमं ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।21 प्रकार की दिव्यांगता से पीड़ित विद्यार्थियों को विशेष सुविधा माशिमं ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को विशेष सुविधाओं में शामिल किया है। इसमें दृष्टिबाधित, मानसिक कमजोर एवं हाथ की हड्डी टूट जाने या हाथ की खराबी के कारण लिखने में असमर्थ, थैलेसीमिया व सिकल सेल से पीड़ित सहित अन्य दिव्यांग विद्यार्थियों को यह राहत मिलेगी।मंडल ने निर्देश दिए हैं कि सभी दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन करते हुए अंक प्रदान किए जाने की सुविधा रहेगी। ये बहुविकल्पीय प्रश्न बाह्य मूल्यांकनकर्ता द्वारा तैयार किए जाएंगे।

मेरिट के विद्यार्थियों को जल्द मिलेगी लैपटाप की राशि मेरिट में शामिल स्कूलों के विद्यार्थियों को अब जल्द ही लैपटाप के लिए राशि भी दी जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारी प्रारंभ कर दी है।

दलालों ने फाइल देकर कहा था- यह रही नौकरी और नई पहचान

ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल की टेकनपुर स्थित अकादमी में फर्जीवाड़ा कर ज्वाइनिंग लेने पहुंचे आरोपित फर्जी अभ्यर्थियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने पूछताछ के लिए आठ दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन पुलिस को तीन दिन की रिमांड दी गई है।

बुधवार शाम को जब इन आरोपितों से पूछताछ की गई तो नई कहानी सामने आई। फर्जी अभ्यर्थियों ने बताया कि जिन दलालों ने बीएसएफ में बगैर परीक्षा के नौकरी दिलाने का सपना दिखाया था, उन्होंने सिर्फ नियुक्ति पत्र ही नहीं बल्कि दस्तावेजों की पूरी फाइल दी थी।आधार में नाम साल्वर का, लेकिन फोटो फर्जी अभ्यर्थियों के इस फाइल में साल्वर के नाम का नियुक्ति पत्र, 10वीं, 12वीं की मार्कशीट, मूल निवासी प्रमाण पत्र और आधार कार्ड सहित स्क्रीनिंग में मांगे जाने वाले सभी दस्तावेज थे। इन दस्तावेजों पर नाम साल्वर के ही थे। आधार कार्ड पर साल्वर के नाम थे, लेकिन फोटो फर्जी अभ्यर्थियों के थे।

इस तथ्य से यह तो स्पष्ट हो गया कि इन फर्जी अभ्यर्थियों के फोटो का इस्तेमाल कर फर्जी आधार कार्ड तैयार किया गया। अंकसूची और मूल निवासी प्रमाण पत्र भी फर्जी होने की आशंका है। इसकी पड़ताल के लिए संबंधित राज्य के परीक्षा बोर्ड को पुलिस पत्र लिखेगी।

सभी के मोबाइल जब्त, अब दलाल और साल्वर तक पहुंचने के लिए पड़ताल सभी आरोपितों के मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। इनकी जांच साइबर फोरेंसिक एक्सपर्ट से कराई जा रही है। इनकी काल डिटेल रिपोर्ट का अध्ययन पुलिस करेगी। दलालों के नंबर पुलिस को इनसे मिल गए हैं। कुछ नाम और पते भी पुलिस के पास हैं।

इनके आधार पर दलालों तक पहुंचने के लिए पुलिस अब पड़ताल कर रही है। जहां-जहां इनके संपर्क में दलाल आए, वहां पुलिस आरोपितों को लेकर जाएगी। कुछ अभ्यर्थियों ने सीधे दलाल का नाम न बताकर कुछ अन्य बिचौलियों के नाम बताए हैं।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में बड़े स्तर का नेटवर्क खुल सकता है। पुलिस साल्वरों के नाम, पते के आधार पर उन तक पहुंचने के लिए प्रयास करेगी।

मध्य प्रदेश में शिकारियों के अलर्ट के बीच बांधवगढ़ में करंट से बाघ की मौत

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में करंट से एक बाघ की मौत के बाद प्रदेश में जारी किए गए शिकारियों को लेकर अलर्ट और बाघों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यह सवाल इसलिए भी बड़ा है क्योंकि बांधवगढ़ के कटनी जिले से लगे हिस्से में बाघों की सबसे ज्यादा मौत होती है। पिछले कई साल से लेकर इस साल तक का आंकड़ा यही बताता है। इस साल भी बांधवगढ़ में दो बाघों की मौत हुई है और दोनों ही मौतें पनपथा रेंज में हुई है।

पांच सालों में 51 में से 17 पनपथा में मरे

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वर्ष 2020 से पिछले पांच सालों में 51 बाघों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2020 में नौ बाघों की मौत हुई। वर्ष 2021 में 15 बाघों ने बांधवगढ़ में अपनी जान गंवाई। वर्ष 2022 में सात बाघ मरे। वर्ष 2023 में 13 एक-एक करके बाघों की जान गई। वर्ष 2024 में 13 बाघों की मौत का आंकड़ा रहा और वर्ष 2025 शुरू होते ही बांधवगढ़ के तीन बाघ मौत के मुंह में समा गए। जबकि इन आंकड़ों का सबसे अहम पहलू यह है कि मरने वाले कुल बाघों में से 17 बाघों की बांधवगढ़ के पनपथा रेंज में मौत हुई है।पनपथा में बाघों की मौत

22 अप्रैल 2020 को पनपथा में 10 वर्षीय बाघ की रहस्यमई मौत

हो गई। इस बाघ का शव झाड़ियों में छिपा हुआ पाया गया था।

10 अक्टूबर 2020 को बांधवगढ़ के पनपथा में दो बाघ शावकों की मौत रहस्यमय ढंग से हो गई।

15 नवंबर 2020 को बांधवगढ़ के पनपथा से लगे शहडोल जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में बांधवगढ़ के एक बाघ का जमीन में दबा हुआ शव पाया गया। साफ तौर पर इस बाघ का भी शिकार ही हुआ था।

14 एवं 15 फरवरी 2021 की दरम्यानी रात पनपथा बफर परिक्षेत्र की जाजागढ़ बीट के कक्ष क्रमांक आरएफ 395 मे भदार नदी के किनारे बमरघाट में बाघों की लडाई हुई थी जिसमें एक बाघ की मौत हो गई।

31 मार्च 2021 को पनपथा में एक बाघिन की मौत हुई। 14 अप्रैल 2021 को बनबेई बीट में 4 साल की बीमार बाघिन की मौत हो गई।

3 अप्रैल 2023 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर के बिरुहली बीट के कक्ष क्रमांक 406 जुट्ठा तालाब के पास बाघ के हमले में डेढ से तीन महीने के शावक की मौत हुई।

8 मई 2023 को पनपथा बफर के ग्राम करौंदिया में 10 वर्षीय बाघ का शव पाया गया।

9 अगस्त 2023 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर परिक्षेत्र के पथरहटा बीट में बाघिन का कई दिन पुराना शव पाया गया।

29 फरवरी 2024 को पनपथा कोर के बघड़ो बीट में मिला मृत बाघ। इसकी अनुमानित उम्र 5 से 6 साल की बताई जा रही है।बाघ की मौत आपसी संघर्ष की वजह से हुई है।

04 मार्च 2024 को पनपथा कोर रेंज के हरदी बीट कक्षा आरएफ 455 में बाघ का शव पाया गया है।

25 मार्च 2024 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा और खितौली रेंज में 2 बाघ शावकों की मौत

28 मई 2024 को पनपथा रेंज, खुसरिया बीट आरएफ 189 में बाघ का शव पाया गया।

06 जून 2024 पनपथा बफर के आरएफ 407 बीट बिरहुली में 2 साल के नर शावक की मौत

26 दिसम्बर 2024 को पनपथा बफर में 1 साल के शावक की मौत

08 जनवरी 2025 को पनपथा बफर में युवा बाघ की मौत

06 फरवरी 2025 करंट से बाघ की मौत के बाद भदार नदी के बगल में दफनाया, दो शिकारी गिरफ्तार, बांधवगढ टाइगर रिज़र्व अंतर्गत पनपथा बफर के सुखदास ग्राम की सीमा में आरएफ 394 बीट जाजागढ की घटना।

करंट से हुई बाघ की मौत, बाद में दफनाया, दो आरोपित गिरफ्तार

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे भादर नदी के पास करंट की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई है। मौत के बाद बाघ के शव को कुछ ग्रामीणों ने मिलकर जमीन में दफना दिया था। इस मामले की जानकारी सामने आने के बाद वन विभाग ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

इंदौर में गूंजेगी मिथिला की संस्कृति- 9 फरवरी को श्री जानकी महोत्सव, मिथिला विभूति पर्व का होगा आयोजन

इंदौर। अप्रवासी मैथिल समाज की अग्रणी संस्था मैथिल सामाजिक मंच द्वारा 9 फरवरी 2025 को आनंद मोहन माथुर सभागृह में भव्य श्री जानकी महोत्सव और मिथिला विभूति पर्व समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन इंदौर में रह रहे मैथिली भाषा-भाषियों और मिथिला संस्कृति के प्रेमियों के लिए विशेष महत्व रखता है।

इस अवसर पर मिथिला के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, वहीं समाज हित में कार्य करने वाले प्रबुद्ध मैथिलों को मिथिला के पारंपरिक पाग और शॉल से सम्मानित किया जाएगा। इस आयोजन में प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, दरभंगा के सांसद गोपालजी ठाकुर, स्थानीय सांसद शंकर लालवानी सहित कई गणमान्य अतिथि विशेष रूप से शामिल होंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मैथिल सामाजिक मंच के अध्यक्ष उदयकांत ठाकुर एवं महासचिव मुकेश कुमार झा ने बताया कि इसका उद्देश्य मैथिली लोक संस्कृति और कला को बढ़ावा देना है। इस दौरान प्रसिद्ध मैथिली कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें मैथिली सिनेमा के सुप्रसिद्ध अभिनेता एवं गायक विकास झा, लोक गायिका स्वाति झा और अंजू झा तथा लोकप्रिय उद्घोषक राजीव झा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मैथिल सामाजिक मंच के मार्गदर्शक आदित्य नाथ झा ने बताया कि इंदौर में हजारों मैथिल परिवार निवास करते हैं। यह आयोजन समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने और नई पीढ़ी को परंपराओं से परिचित कराने का मंच प्रदान करेगा।

इस समारोह के माध्यम से मैथिली भाषा, संगीत और परंपराओं के प्रचार-प्रसार को गति मिलेगी और समाज में एकजुटता का संदेश जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह और मिथिला विभूतियों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में भी उपस्थिति के लिए लगी बायोमेट्रिक मशीनें

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार शासकीय कार्यालयों में शासकीय कर्मियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन से लेने की व्यवस्था शुरू की गई है। इसी क्रम में जिले की ग्राम पंचायतों में भी यह व्यवस्था लागू हो गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि ग्राम पंचायतों में स्थानीय कर्मियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन में दर्ज होने लगी है। इसी आधार पर उनका वेतन आहरित किया जाएगा।

नलजल योजना के कार्यों को गंभीरता से नहीं लेने पर प्रभारी सहायक यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

इंदौर। जल जीवन मिशन अंतर्गत नलजल योजना के कार्यों को गंभीरता से नहीं लेने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने प्रभारी सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड इंदौर श्री अशोक भालराय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में कहा गया है कि विगत दिनों कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जल जीवन मिशन की बैठक में नलजल योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान श्री अशोक भालराय द्वारा संतुष्टि पूर्वक उत्तर नहीं दिये गये। कार्यों की समीक्षा के दौरान इनके द्वारा बताए गए कारण असंतोषप्रद रहे। जिससे यह प्रतीत होता हैं कि इनके द्वारा जल जीवन मिशन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जिसके कारण इन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

मध्यप्रदेश को लगातार 7 बार मिले हैं कृषि कर्मण अवार्ड

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयास से कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल है। मध्यप्रदेश को वर्ष 2011-12 सें 2017-18 तक लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है।

मध्यप्रदेश वर्ष - 2011-12 से 2012-13 एवं 2014-15 में कुल खाद्यन्न केटेगरी के लिए 2013-14, 2015-16 एवं 2016-17 में गेहूं फसल के लिये और वर्ष 2017-18 में दलहन फसल के लिये कृषि कर्मण अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। वर्ष- 2022 में मध्यप्रदेश के भू-अभिलेखों के एकीकरण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा फसल बीमा योजनांतर्गत कत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया है।

प्रदेश में गेहूं, उड़द, मसूर, सोयाबीन, अल्सी, फसलों को क्षेत्राच्छादन सबसे अधिक है। मक्का और तिल के उत्पादन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है।

ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 223 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। इस आदेश के अनुसार इंदौर जिले में समस्त उत्सव आयोजन के दौरान बगैर अनुमति के डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारण यंत्रों के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। उत्सव आयोजन के दौरान इनके उपयोग के लिए विहित प्राधिकारी से अनुमति लेना होगी।

जारी आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध मानकर कार्यवाही की जायेगी। ध्वनि मानकों के प्रावधानों के पालन में सामान्यतः मध्यम आकार के अधिकतम 02 डी.जे. व लाउड स्पीकर की अनुमति ही सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त की जा सकेगी। डी.जे. तथा लाउड स्पीकर किराये पर देने वाले वेण्डर किसी भी आयोजन के लिए 02 से अधिक मध्यम आकार के डी.जे. व लाउड स्पीकर किराये पर नहीं देंगे।

प्रेशर हार्न के भण्डारण तथा विक्रय को प्रतिबंधित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 द्वारा निर्धारित शेड्यूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि समय 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा। यह आदेश आज 06 फरवरी से लागू होकर आगामी 05 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा।

अवैध मदिरा के खिलाफ इंदौर आबकारी विभाग की सख्त कार्रवाई, 35 प्रकरण दर्ज

इंदौर। जिला कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग इंदौर द्वारा जिले के विभिन्न वृत्तों में अवैध मदिरा के खिलाफ सघन कार्रवाई की जा रही है। आज सामुहिक गश्त में समाजवादी इंदिरा नगर, लक्कड़ पीठा, जीएनटी मार्केट, तेलीबाखल, छत्रीपुरा, शांति नगर पन्नालाल चौराहा और मुसाखेड़ी क्षेत्र में कार्रवाई की गई। इस दौरान 35 प्रकरण दर्ज किए गए और बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त की गई।

सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध मदिरा के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई।

अभियान में कार्रवाई के दौरान 54.36 बल्क लीटर देशी मदिरा, 0.82 बल्क लीटर विदेशी मदिरा स्पिरिट, 55 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 550 किलोग्राम महुआ लहान और 71.32 किलोग्राम भांग जब्त की गई। साथ ही दो दोपहिया वाहन जिनमें एक जूपिटर और एक एक्सेस स्कूटी भी जब्त की गई। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 3 लाख 44 हजार 175 रुपये आंकी गई है।

विशेष रूप से आबकारी वृत्त छावनी प्रभारी श्री कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में मुसाखेड़ी क्षेत्र के मयूर नगर में ओमसाईं मंदिर के पास से आरोपी मनोज कौशल के कब्जे से 50 पाव प्लेन और 50 पाव मसाला मदिरा बरामद की गई।

जिसे सफेद रंग की जूपिटर स्कूटी की डिक्की और कपड़े की थैली में छुपाकर रखा गया था। इसी प्रकार शांति नगर पन्नालाल चौराहे पर स्कूटी की डिक्की से 48 पाव मसाला मदिरा शराब बरामद कर आरोपी रोहित पिता घनश्याम को गिरफ्तार कर एक बिना नंबर की दोपहिया टीवीएस एक्सेस स्कूटी जप्त की गई। सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के कारोबार और सेवन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आबकारी संबंधी अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि नशे और अवैध शराब के दुष्प्रभावों से समाज को बचाया जा सके।

वाहनों की चेकिंग की मुहिम जारी

इंदौर। इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों तथा अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा वाहनों की विशेष चेकिंग की गई। इस अभियान में लापरवाही पाये जाने पर 04 वाहनों को जप्त कर संचालकों के विरूद्ध 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। वाहनों की चेकिंग की कार्यवाही निरन्तर जारी है। जिसमें वाहनों के फ़िटनेश परमिट बीमा PUC, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए इंदौर जिले में 9381 किसानों ने कराया पंजीयन

इंदौर। समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए इंदौर जिले में अब तक 9381 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसे मिलाकर पूरे प्रदेश में अभी तक 62 हजार 77 किसान अपना पंजीयन करा चुके है। किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की बिक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए इंदौर संभाग के इंदौर जिले में 9381, जिला बुरहानपुर में 2, बड़वानी में 17, खरगोन में 189, खंडवा में 339, अलीराजपुर में 13, झाबुआ में 776 तथा धार में 4202 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इसी तरह नीमच 134, मंदसौर 362, आगर-मालवा में 823, शाजापुर में 3710, देवास में 4035, रतलाम में 2211, उज्जैन में 11344, ग्वालियर में 55, शिवपुरी में 23, गुना में 23, दतिया में 142, अशोकनगर में 6, भिंड में 4, मुरैना में 96, श्योपुर में 43, छिंदवाड़ा में 157, सिवनी में 61, डिंडौरी में 21, कटनी में 14, नरसिंहपुर में 215 आदी।

स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के संवाद कार्यक्रम में पहुंची तीन नोबल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित मानवीय गरिमा की एक्टिविस्ट

इंदौर। यह गलत धारणा है कि धनी देशों में मानवीय गरिमा का ज़्यादा ध्यान रखा जाता है और विकासशील देशों में कम। विकसित देशों में अपनी गंभीर समस्याएं हैं जैसे अकेलापन और नागरिक प्रसन्न नहीं है।

यह बात स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में मानवीय गरिमा के हनन का वैश्विक तुलनात्मक शोध कई दशकों से कर रही रहीं चिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक डॉ. एवलिन लिंडनर ने कही। तीन बार नोबल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित हो चुकी एवलिन ने कहा कि इन नामांकनों से उन्हें जो पहचान मिली उससे उनके अभियान की राह आसान हुई। वे वैश्विक नागरिकता की वकालत करती हैं। उनसे जब पूछा गया कि आज ही गरीब देशों के नागरिक विकसित देशों की नागरिकता प्राप्त करने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं, ऐसे में वैश्विक नागरिकता व्यावहारिक रूप से संभव कैसे होगी ? उन्होंने कहा कि पूंजीवादी विकसित राष्ट्रों में सब कुछ प्रॉफिट से जोड़कर देखा जाता है। इसीलिए वो कुछ अच्छे काम ही हो पाते हैं जिनसे लाभ हो, शेष अच्छे काम रह जाते हैं और इसीलिए मानवीय गरिमा के हनन का स्तर वहां भी काफ़ी ज़्यादा है। हालांकि उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि सोमालिया, मिडिल ईस्ट, इजिप्ट आदि देशों में रहने और ह्यूमन डिग्निटी के लिए काम करने के दौरान ऐसे अवसर भी आए जब उन्हें जर्मनी नॉर्वे की नागरिक होने का लाभ मिला, वहीं कुछ अविकसित देशों के एक्टिविस्टों को तो काम ही नहीं करने दिया गया उल्टे जान से मार देने समेत प्रताड़नाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि कुछ विकसित देशों में हर कोई हर किसी से बस लड़ने को उतारू है।

डॉ. लिंडनर मानती हैं कि विश्व के लिए वर्तमान पीढ़ी बहुत ही ज़्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि उसके सामने विश्व स्तर पर आपसी भरोसे को बनाने और बनाए रखने की जिम्मेदारी है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मार्ग चौड़ीकरण अंतर्गत जहां चौड़ीकरण होगा उसी जगह की विद्युत व्यवस्था बंद करें अन्य क्षेत्र प्रभावित न हो - महापौर

उज्जैन। शुक्रवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय ज्योति नगर स्थित कार्यालय पर मुख्य अभियंता श्री बी एल चौहान के साथ बैठक करते हुए कहा कि उज्जैन शहर में आगामी सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न मार्गो का चौड़ीकरण कार्य प्रस्तावित किया गया है, शीघ्र ही नगर निगम द्वारा चौड़ीकरण के कार्य शहर में प्रारंभ किये जाएंगे जिसके क्रम में सर्वप्रथम गाड़ी अड्डा चौराहा से लेकर निकास चौराहा ,केडी गेट जूना सोमारिया, बड़ा पुल तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा।

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा निर्देश प्रदान किए गए की मार्ग चौड़ीकरण अंतर्गत जिन क्षेत्रों में चौड़ीकरण होगा उसी क्षेत्र की

विद्युत व्यवस्था को बंद करें अन्य क्षेत्र प्रभावित न हो इस बात का मुख्य रूप से ध्यान रखा जाए, नगर निगम एवं बिजली विभाग द्वारा संयुक्त रूप से टीम बनाते हुए आपसी तालमेल के साथ कार्य किया जाए, जहां स्ट्रीट लाइट 24 घंटे चालू रहती है एवं जहां स्ट्रीट लाइट बंद रहती है वहां पर टीम बनाकर कार्य करें एवं वार्डों में लाइटों को ठीक करें, शहर के वार्डों एवं गलियों में खुले ट्रांसफर एवं विद्युत डीपी है वहां सुरक्षा की दृष्टि से जाली लगवाई जाए।

नागरिकों को बिजली के अधिक बिल आ रहे हैं जिनकी जांच करते हुए उनका समाधान करने हेतु शिविर लगाए ताकि बिजली उपभोक्ता परेशान ना हो, साथ ही जिन लोगों द्वारा अपना बकाया बिल जमा नहीं किया जा रहा है उन्हें दूरभाष पर सूचना करते हुए बकाया बिजली बिल भरवारा जाए।

बैठक में एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री कैलाष प्रजापत, श्रीमती दुर्गा षक्ति सिंह चौधरी, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, प्रकाष विभाग के प्रभारी श्री जितेंद्र पाल सिंह जादौन, उप यंत्री श्री आनंद भंडारी, बिजली विभाग से अधीक्षण यंत्री श्री पी एस चौहान ,कार्यपालन यंत्री श्री सतीष कुमरावत उपस्थित रहे।

ट्रंप और मोदी की दोस्ती दिखावटी- मुकेश भाटी

उज्जैन। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा जिस तरह से अप्रवासी भारतीयों को अमानवीय तरीके से खदेड़ा गया उससे पुरे देश की विश्व में छवि धूमिल हुई है। ट्रंप और मोदी की दोस्ती दिखावटी है।

उक्त उदगार शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने शहर कांग्रेस द्वारा आयोजित धरने में कही। गणेश चौक भेरू नाला स्थित चौराहे पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने जमकर मोदी और ट्रंप को कोसा। प्रमुख वक्ताओं में शहर कांग्रेस संगठन मंत्री अजय राठौर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील जैन, ब्लॉक अध्यक्ष मुजीब सुपारीवाला, वीरेंद्र गोसर, खेल प्रकोष्ठ के महासचिव चंदू यादव, असरार मामू, परमानंद मालवीय ने भी धरने को संबोधित किया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष पण्डित श्रवण शर्मा, नीलेश खुले, कृष्णा यादव, राजा ठाकुर, आदित्य नामदेव सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित थे। संचालन ब्लॉक अध्यक्ष पण्डित अभीषेक शर्मा लाला ने किया अंत में आभार श्याम जटिया ने माना।

मल्लखंब खिलाड़ियों की बड़ी जीत, हाईकोर्ट ने पुनः चयन के दिए आदेश

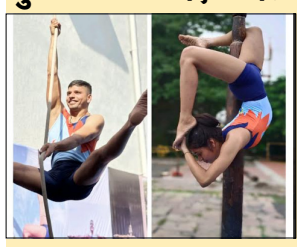

उज्जैन। 38वें राष्ट्रीय खेलों में मल्लखंब दल के चयन को लेकर चल रहे विवाद में इंदौर उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शुक्रवार को आए निर्णय में न्यायालय ने खिलाड़ियों के पक्ष में फैसला देते हुए तीन दिनों के भीतर पुनः चयन प्रतियोगिता आयोजित करने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने स्पष्ट रूप से माना कि पूर्व में हुई चयन प्रक्रिया अवैधानिक थी और खेल के नियमों के अनुरूप नहीं थी।

श्री रविदास सेवक संघ रविदास जयंती पर निकालेगा कलश यात्रा

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सदगुरू श्री रविदासजी की जयंती के पावन पर्व पर 12 फरवरी को कुशलपुरा स्थित रविदास मांगलिक भवन (रविदास धाम) से प्रातः 11 बजे कलशयात्रा प्रारंभ होगी।

संस्था अध्यक्ष किशोरीलाल सूर्यवंशी ने बताया कि सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सदस्य संत उमेशनाथ महाराज, क्षेत्रीय विधायक अनिल कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति कलावती यादव, क्षेत्रीय पार्षद योगेश्वरी राठौर, पार्षद गब्बर भाटी, पार्षद सुशील श्रीवास एवं अन्य गणमान्य नागरिक शामिल होगें। चल समारोह रविदास धाम से आरंभ होकर नरेन्द्र टाकिज, कंठाल, नईसडक, दौलतगंज, मालीपुरा, देवासगेट होते हुए पुनः रविदास धाम पहुंचेगी। चल समारोह पश्चात शाम 6 बजे से रविदास मांगलिक भवन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व रविदासजी को 56 भोग लगाकर महाआरती व विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील चुन्नीलाल सूर्यवंशी, टीकाराम सूर्यवंशी (तांत्रिक), सुनील सूर्यवंशी, पन्नालाल सूर्यवंशी, संजु सूर्यवंशी, दिलीप सूर्यवंशी, संतोष सुनहरे, दिनेश सूर्यवंशी, रवि सूर्या, राजु सूर्यवंशी, जगदीश अहिरवार, रामचंद्र सूर्यवंशी ख्यालीजी, हेमराज सूर्यवंशी, गणेश सूर्यवंशी, नन्दलाल सूर्यवंशी, राजेश सूर्यवंशी, मनोज सूर्यवंशी एवं अन्य ने की है।

कर्मचारियों के आंदोलन की गूंज निगम अधिकारियों के कानों तक नहीं पहुंची

निगम गेट पर कर्मचारियों ने जमकर की नारेबाजी, सोमवार को भी जारी रहेगा आंदोलन

उज्जैन। आज हमारे आंदोलन का दूसरा दिन है किन्तु निगम के अधिकारियों को कर्मचारियों के आंदोलन की गूंज उनके कानों तक नहीं पहुंच रही है। ऐसा लग रहा है कि इन अधिकारियों को कर्मचारियों की परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं है। इन अधिकारियों के कारण यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा, कर्मचारियों आप और अधिक संख्या में सोमवार को भी उपस्थित रहें।

यह बात शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित गेट मीटिंग में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक श्री रामचंद्र कोरट ने कही। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दूसरे दिन भी निगम आयुक्त या कोई अन्य अधिकारी बात करने नहीं आये। ऐसा लग रहा है कि मुख्यमंत्रीजी के गृह नगर में कर्मचारियों की मांगों को सुनने वाला कोई नहीं है।

स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र रघुवंशी ने कहा कि अधिकारी बैठकों में मांगों पर

सहमति बना देते हैं और फिर 1 वर्ष बीतने के बाद भी उन मांगों का निराकरण नहीं करते हैं। अभी तक कहते थे कि पदोन्नति पर बेन लगा हुआ है, इसलिये पदोन्नति नहीं कर सकते, किन्तु नगर निगम भोपाल एवं जबलपुर ने कर्मचारियों की पदोन्नति की है। नगर निगम उज्जैन में भी कर्मचारियों की पदोन्नति करना होगी। कार्यकारी अध्यक्ष नितिन मुसले ने कहा कि आप संगठित होंगे तो ही हम अपने कार्य करा सकते हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने कहा कि अस्थाई कर्मचारियों को 10 वर्ष एवं 20 वर्ष होने पर 1500 एवं 2500 का अतिरिक्त मानदेय वेतन में मांग मंजूर करने के बाद भी लागू नहीं की जा रही है। कर्मचारियों की तरह ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 2000 मेडीकल अलाउंस का प्रकरण एम.आई.सी. में नहीं दिया जा रहा है। समयमान-वेतनमान के बचे हुए आदेश जारी किये जावें और जिनके आदेश हो चुके हैं उन्हें एरियर का भुगतान के लिये भटकना पड़ रहा है, शीघ्र भुगतान किया जावे।

सेवानिवृत्त निगम इंजीनियर प्रभुलाल टटवाल ने कहा कि कर्मचारियों की सभी मांगों को इन अधिकारियों को मानना ही होगा, अगर नहीं मानी गई तो हम कोरट साहब के साथ मिलकर जमकर आंदोलन करेंगे।

सफाई कामगार संघ अध्यक्ष चंदगीराम टांकले ने सफल संचालन करते हुए कहा कि आउटसोर्स पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को 3 माह से वेतन नहीं मिल रहा है।

एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ट गवर्नर प्रशिक्षण हेतु यूएस शिकागो रवाना

उज्जैन। लायंस इंटरनेशनल के प्रोटोकॉल के अंतर्गत लायन प्रवीण वशिष्ट गवर्नर प्रशिक्षण हेतु 7 फरवरी को शिकागो रवाना हुए। उसके पूर्व संध्या को लायंस इंटरनेशनल के कार्यालय फ्रीगंज पर लायंस क्लब उज्जैन होलीसिटी के नेतृत्व में उज्जैन के सभी क्लबो के अध्यक्ष सचिव व वरिष्ठ लायंसजनों ने श्री वशिष्ठ को आत्मीय विदाई व शुभकामनायें देते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

डिस्ट्रिक्ट पीआरओ दीपक राजवानी के अनुसार लायंस इंटरनेशनल के प्रोटोकॉल के तहत विश्व के 700 गवर्नर व भारत वर्ष के 80 गवर्नर चार दिवसीय प्रशिक्षण हेतु यूएस के शिकागो मे एकत्रित होंगे वे वहां पर पीड़ित मानवता की सेवा व वैश्विक लायनवाद के प्रशासन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उक्त अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन बलवीर सिंह साहनी व इंजीनियर लायन आर. जी. पाठक के साथ अनेक लायन साथी उपस्थित रहे। आभार लायन सुशील पोरवाल ने दी।

वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स में एआई और पर्यावरण पर वैश्विक चर्चा

उज्जैन। दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स में एआई और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन हुआ। मंच का उद्देश्य एआई के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना था जिससे जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी वैश्विक समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। कार्यक्रम में अनेक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, नीति-निर्माता और विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 50 से अधिक देश के प्रसिद्ध वक्ताओं ने अपने विचार और मार्गदर्शन साझा करे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com